प्रेसनोट

पिथौरागढ़–29.09.13(सूवि),

गोविन्द बल्लभ पंत प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर के निदेशक, प्रसार शिक्षा एवं राज्य कृषि प्रबन्धन, डा.वाई.पी.एस.डबास ने सूचित किया है कि अखिल भारतीय पंतनगर किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का 94 वां आयोजन 4 से 7 अक्टूबर तक किया जा रहा है। उन्होंने कहा है कि मेले में विभिन्न फसलों एवं सब्जियों के नवीनतम पद्धति से लगाये गये प्रदर्शनों का अवलोकन कराने के साथ आने वाली रबी की फसलों, सब्जियों की अधिक उपज देने वाली प्रजातियों के प्रमाणित तथा आधारीय बीज एवं फल वृक्षों के पौधे भी मेले में उपलब्ध कराये जायेंगे।

डा.डबास ने सूचित किया है कि 4 से 7 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले इस अखिल भारतीय मेले में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के साथ–साथ राष्ट्रीय स्तर के फर्मो द्वारा कृषि से संबंधित अपने उत्पादों के संबंध में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराने के लिए स्टाल लगाये जायेंगे और राष्ट्रीकृत बैंकों एवं बीमा कंपनियों द्वारा किसानों को ऋण एवं फसल संबंधी सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी जायेगी।

निदेशक प्रसार ने कहा है कि मेले में विभिन्न उत्पादों, कृषि मशीनरी, ट्रैक्टर, कम्बाइन हार्वेस्टर, पावर टिलर, प्लान्टर, सब स्वायलर, सिंचाई यंत्र व अन्य आधुनिक यंत्र, कृषि रसायन, कीटनाशी, खरपतवारनाशी व रोगनाशी उर्बरक, पशु पोषक व पशु चिकित्सा उत्पाद, औषधीय पौध उत्पाद, बीज एवं पौध आदि से संबंधित फर्म बड़ी संख्या में अपने–अपने स्टाल लगाकर किसानों को अपने उत्पाद की जानकारी देने के साथ बिक्री भी करेंगी। उन्होंने कहा है कि इसके अतिरिक्त हस्तकला, ग्रामीण उद्योग, प्रसंस्कृरत खाद्य पदार्थ, सूचना प्रौद्योगिकी, आटोमाबाइल, घरेलू उत्पाद, सौर ऊर्जा उत्पाद से संबंधित फर्मे भी मेले में अपने स्टाल लगायेंगी।

उन्होंने कहा है कि मेले के दौरान फसल अनुसंधान केन्द्र, बीज उत्पादन केंद्र, रबी की प्रमुख फसलों गेहूं, लाही, सरसों, जौ, मटर, चना, मसूर आदि के आधारीय बीज, सब्जी अनुसंधान केंद्र द्वारा उत्पादित विभिन्न सब्जियों के बीज, आदर्श पुष्प उत्पादन केंद्र द्वारा उत्पादित विभिन्न पुष्पों के बीज एवं पौध तथा अनुसंधान केंद्र द्वारा तैयार किये गये आम, लीची, अमरूद, नींबू, पपीता आदि फलों के पौधे भी मेले में बिक्रय हेतु उपलब्ध होंगे। इस दौरान वैज्ञानिकों द्वारा विशेष व्याख्यानमालायें, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि का आयोजन भी मेले में किया जायेगा।

उन्होंने कहा है कि विश्वविद्यालय द्वारा रेल से आने वाले किसानों तथा अ न्य आगन्तुकों की सुविधा हेतु पंतनगर तथा हल्दी रोड़ रेलवे स्टेशनों से मेला स्थल तक ले जाने व वापस लाने के लिए परिवहन का प्रबन्ध करने के साथ रात्रि विश्राम की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने इस विख्यात मेले में अधिक से अधिक किसानों से प्रतिभाग कर आधुनिक कृषि तकनीकी से रूबरू होने और उसका लाभ उठाने की अपील की है।

जिला सूचना अधिकारी
पिथौरागढ़।